Popular Front of India

G-78,2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindikunj, Noida Road New Delhi- 110025
website: www.popularfrontindia.org email:popularfrontmail@gmail.com Tel: 011-29949902

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
16 जून 2017

पॉपुलर फ्रंट ने की नए दलित आंदोलनों और लीडरों को दबाने की कोशिशों की निंदा

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ई. अबूबकर ने अपने एक बयान में भीम आर्मी जैसे नए दलित आंदोलनों को दबाने और झूटे मामलों में फँसा कर उनके लीडरों को गिरफ्तार और बदनाम करने की कोशिशों की निंदा की। ई. अबूबकर ने ऐसे सभी दलित आंदोलनों और कार्यकर्ताओं के संघर्ष के समर्थन की बात की है जो जाति के आधार पर हो रहे हमलों के खिलाफ और एक सुरक्षित तथा बाइज़्ज़त ज़िंदगी के बुनियादी अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिससे उन्हें सोचे समझे तरीके से सदियों से वंचित किया जाता रहा है।

पिछले कुछ सालों में दलितों के खिलाफ हिंसक घटनाएं बहुत ज़्यादा बढ़ गई हैं। दलितों को न केवल उच्च जाति के पागलपन और सड़कों पर गौरक्षा दलों की ओर से बल्कि प्रसिद्ध उच्च शिक्षा संस्थानों में भी बहुत ज़्यादा अत्याचार और भेदभाव का सामना करना पड़ता है, जैसा कि हमने एच.सी.यू में दलित छात्र रोहित वेमोला की संस्थागत हत्या के मामले में देखा। रिवायती दलित नेता, संगठन और राजनीतिक पार्टियाँ इन गंभीर समस्याओं को हल करने में नाकाम रही हैं और उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष करना बिल्कुल छोड़ दिया है। कुछ तो दलित समुदाय को धोका देकर अपने छोटे छोटे जाती फायदों के लिए शासक वर्ग की कठपुतली बन गए हैं। ऐसे हालात में नए दलित प्रतिरोध आंदोलन गुजरात, यूपी और मध्य प्रदेश में उभर कर सामने आ रहे हैं। गुजरात में जिगनेश मेवानी और यूपी के चंद्र शेखर आज़ाद जैसे नई नस्ल के दलित लीडरों को दलित समुदाय जातिवाद के इस दलदल में उम्मीद की किरण समझ कर हाथों हाथ ले रहे हैं। न केवल बीजेपी बल्कि ब्रह्मणवादी तानाशाही से प्रभावित सेक्युलर राजनीतिक पार्टियों ने भी दलित चेहरों और उनकी राजनीतिक एवं सामाजिक कोशिशों को बदनाम करने की हमेशा कोशिश की है। पॉपुलर फ्रंट के चेयरमैन ने प्रतिक्रियावादी ताकतों और शासक वर्ग के नापाक मंसूबों को पराजित करने के लिए दलितों, अल्पसंख्यकों और मानवाधिकार समूहों के बीच विशाल गठबंधन बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

यूपी में भीम आर्मी के लीडर चंद्र शेखर आज़ाद और कुछ अन्य सदस्यों की हालिया गिरफ्तारी जातिवादी और राष्ट्रवादी ताकतों के जारी गंदे राजनीतिक झगड़े का एक हिस्सा है। ई. अबूबकर ने आज़ाद की फौरी रिहाई और उसके खिलाफ लगाए गए सभी बेबुनियाद आरोपों को हटाए जाने की मांग की। उन्होंने यह यकीन दिलाते हुए कहा कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया हमेशा की तरह दलित भाईयों और बहनों के साथ बराबरी, इज़्ज़त और इंसाफ की उनकी लड़ाई में बिला शर्त समर्थन जारी रखेगा।

शफीकुर्रहमान
सेक्रेटरी, जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया